इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान को पीढ़ियों तक जीवित रखती हैं और पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना आवश्यक है। वहीं आचार्य बालकृष्ण ने इसे ज्ञान-संस्कृति के आदान-प्रदान का मंच बताते हुए मूल लेखकों को पढ़ने पर जोर दिया, वहीं राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक युवराज मलिक ने विश्वास जताया कि यह महोत्सव उत्तराखंड को वैश्विक साहित्यिक मानचित्र पर स्थापित करेगा।

विज्ञापन

ये भी पढ़ें...Haridwar: कुंभ की यादें, अनुष्ठान में बढ़ रही युवाओं की अहम भूमिका, योग से निरोग रहने का देंगे संदेश

विज्ञापन

दून लिट फेस्ट में नितिन सेठ, कुलप्रीत यादव, अखिलेंद्र मिश्रा, आचार्य प्रशांत, शुभांशु शुक्ला और सतीश दुआ जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व संवाद में भाग लेंगे, जबकि सांस्कृतिक संध्याओं में नरेंद्र सिंह नेगी और अन्य कलाकारों की प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

Dehradun: नौ दिवसीय दून पुस्तक महोत्सव का सीएम धामी ने किया शुभारंभ, बोले-पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा जरूरी

अमर उजाला ब्यूरो, देहरादून Published by: Renu Saklani Updated Sat, 04 Apr 2026 06:12 PM IST

सार

45195 Followers देहरादून

नौ दिवसीय दून पुस्तक महोत्सव का सीएम धामी का शुभारंभ कर सीएम धामी ने कहा कि पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना जरूरी है।

सीएम धामी - फोटो : संवाद न्यूज एजेंसी

विस्तार

Add as a preferred source on google

देहरादून के परेड ग्राउंड में नौ दिवसीय 'दून पुस्तक महोत्सव 2026' का शुभारंभ पुष्कर सिंह धामी किया। यहां 26 गढ़वाली-कुमाउंनी पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के अध्यक्ष मिलिंद सुधाकर मराठे ने पुस्तकों को मन का व्यायाम बताते हुए उत्तराखंड की बौद्धिक विरासत को रेखांकित किया।